

04 मार्च 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध:

1. शहबाज शरीफ दूसरी बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने:

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

1. भारत द्वारा माल की जल्ती अनुचित: पाकिस्तान

अर्थव्यवस्था:

1. तथ्य और आँकड़े:

सामाजिक मुद्दे:

1. महिला शहरी रोजगार गारंटी अधिनियम:

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. उन्नत लैंडिंग सिस्टम उड़ान में देरी को कम करते हैं, लेकिन इनकी लागत अधिक आती है:
2. प्रधानमंत्री आज तमिलनाडु में रिएक्टर के कोर लोडिंग के शुभारंभ के साक्षी बनेंगे:
3. ओडिशा की प्रसिद्ध रूपा ताराकासी, बांग्लार मलमल ने जीआई टैग अर्जित किया:
4. अनुनाद: कदम मिलाकर चलने की प्रवृत्ति
5. साँप के जीन के अध्ययन से पता चलता है कि वे अन्य सरीसृपों की तुलना में 3 गुना तेजी से विकसित हुए:

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

शहबाज शरीफ दूसरी बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: भारत के हितों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियां और राजनीति का प्रभाव, प्रवासी भारतीय।

मुख्य परीक्षा: अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम।

विवरण:

- पाकिस्तान के राजनीतिक परिदृश्य के एक निर्णायक क्षण में, शहबाज शरीफ ने देश के 24वें प्रधान मंत्री के रूप में पद ग्रहण किया, जो 2022 के बाद से उनका दूसरा कार्यकाल है।
- नेशनल असेंबली में उनका विजय भाषण पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को फिर से जीवंत करने, आतंकवाद से लड़ने और पड़ोसी देशों के साथ न्यायसंगत संबंधों को बढ़ावा देने की प्रतिज्ञाओं से गूँज उठा।

कृतज्ञता और विश्वास:

- हाल के चुनाव में त्रिशंकु संसद के उभरने के बाद बनी गठबंधन सरकार, चुनौतीपूर्ण समय में पाकिस्तान से पार पाने के लिए एक सहयोगात्मक प्रयास का प्रतिनिधित्व करती है।

- हालाँकि, चुनावी जीत के जश्न के बीच, विपक्षी सदस्यों ने शहबाज़ की पार्टी पर चुनावी कदाचार का आरोप लगाया तथा जनादेश की चोरी का आरोप लगाया, जो धुवीकृत राजनीतिक माहौल को दर्शाता है।
- उन्होंने एक खतरनाक ऋण संकट की चेतावनी दी, जहां नेशनल असेंबली का खर्च भी उधार ली गई धनराशि पर निर्भर है।
- शहबाज ने आर्थिक पुनरुद्धार की आवश्यकता पर जोर दिया और पाकिस्तान को किसी भी भू-राजनीतिक "बड़े खेल" (great game) में मोहरा बनने से दूर रखने का संकल्प लिया।

राजनयिक गठबंधन:

- शहबाज शरीफ ने समानता के सिद्धांतों को कायम रखते हुए पाकिस्तान के राजनयिक संबंधों के विस्तार के महत्व को रेखांकित किया।
- उन्होंने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई और आपसी सम्मान और समझ पर आधारित सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया।

सारांश:

- पाकिस्तान के राजनीतिक परिदृश्य के लिए एक निर्णायक क्षण में, शहबाज शरीफ ने देश के 24वें प्रधान मंत्री के रूप में पद ग्रहण किया। नेशनल असेंबली में उनका विजय भाषण पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को फिर से जीवंत करने, आतंकवाद से लड़ने और पड़ोसी देशों के साथ न्यायसंगत संबंधों को बढ़ावा देने की प्रतिज्ञाओं से गूंज उठा।

संपादकीय-द हिन्दू

संपादकीय:

भारत द्वारा माल की जब्ती अनुचित: पाकिस्तान

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं वैश्विक समूह और भारत से जुड़े और/ या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार।

प्रारंभिक परीक्षा: वासेनार व्यवस्था से सम्बन्धित जानकारी।

विवरण:

- 23 जनवरी को मुंबई बंदरगाह पर भारतीय सीमा शुल्क द्वारा दो उन्नत कंप्यूटर संख्यात्मक नियंत्रण मशीनें जब्त कर ली गईं।

पाकिस्तान की प्रतिक्रिया:

- पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भारत की कार्रवाइयों को "अत्याचार" बताते हुए इसकी आलोचना की और इस बात पर जोर दिया कि जब्त किए गए उपकरण पूरी तरह से व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए थे।
- लेन-देन सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ वैध बैंकिंग चैनलों के माध्यम से पारदर्शी तरीके से किया गया था।

भारतीय कार्रवाई की निंदा:

- पाकिस्तान के प्रवक्ता ने मुक्त व्यापार में भारत के हस्तक्षेप की निंदा करते हुए इसे एक खतरनाक मिसाल करार दिया।
- बयान में पुलिसिंग भूमिकाओं की भारत की धारणा की आलोचना की गई और ऐसा करने में उसकी साख पर सवाल उठाया गया।
- प्रवक्ता ने भारत के कार्यों की मनमानी प्रकृति और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों और कानूनों की उपेक्षा पर प्रकाश डाला।

मीडिया प्रतिनिधित्व और निहितार्थ:

- पाकिस्तान ने तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने और घटना को गलत तरीके से चित्रित करने के लिए भारतीय मीडिया की आलोचना की हैं।
- पाकिस्तान के अनुसार, यह घटना कुछ देशों द्वारा दंडमुक्ति से काम करने, अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन करने और दूसरों के खिलाफ मनमाने कदम उठाने की बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाती है।

वासेनार व्यवस्था के बारे में:

- **स्थापना एवं उद्देश्य:**
 - वर्ष 1996 में गठित, वासेनार व्यवस्था का उद्देश्य पारंपरिक हथियारों और दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं और प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देकर वैश्विक सुरक्षा को बढ़ाना है।
- **सदस्यता और निर्णय लेना:**
 - इसमें प्रमुख हथियार निर्यातकों और औद्योगिक देशों सहित 42 भाग लेने वाले देश शामिल हैं।
 - परमाणु अप्रसार, राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर जोर देते हुए सर्वसम्मति-आधारित निर्णय-प्रक्रिया के माध्यम से संचालित होता है।
- **नियंत्रण सूचियाँ:**
 - नागरिक और सैन्य अनुप्रयोगों के साथ पारंपरिक हथियारों और दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं को वर्गीकृत करने वाली नियंत्रण सूचियों को परिभाषित करता है।
 - सदस्य देश प्रसार और दुरुपयोग को रोकने के लिए सूचीबद्ध वस्तुओं पर प्रभावी निर्यात नियंत्रण लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

● **निर्यात नियंत्रण और दिशानिर्देश:**

- सदस्य राज्य प्रतिबंधित अंतिम-उपयोगकर्ताओं या गंतव्यों पर अनधिकृत हस्तांतरण को रोकने के लिए सूचीबद्ध वस्तुओं के हस्तांतरण को विनियमित करते हैं।
- दिशानिर्देश और सर्वोत्तम प्रथाएं सदस्य देशों को जोखिम मूल्यांकन पद्धतियों और पारदर्शिता उपायों सहित निर्यात नियंत्रण लागू करने में सहायता करती हैं।

● **अप्रसार में योगदान:**

- परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) और मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था (एमटीसीआर) जैसी अन्य अप्रसार व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करता है।
- पारंपरिक हथियारों और दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकियों के प्रसार को रोकने के लिए सदस्य देशों के बीच जिम्मेदार निर्यात प्रथाओं और सहयोग को बढ़ावा देता है।

● **अनुकूलन और विस्तार:**

- तकनीकी प्रगति और सुरक्षा गतिशीलता में परिवर्तन को प्रतिबिंबित करने के लिए समय-समय पर नियंत्रण सूचियों की समीक्षा और अद्यतन करता है।
- अपने उद्देश्यों को बनाए रखने और उभरती सुरक्षा चुनौतियों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध देशों को शामिल करने के लिए सदस्यता का विस्तार करना चाहता है।

सारांश:

- पाकिस्तान विशुद्ध रूप से वाणिज्यिक उपयोग का हवाला देते हुए चीन से कराची जाने वाली दोहरी उपयोग वाली वस्तुओं की भारत द्वारा जब्ती की निंदा करता है। भारतीय अधिकारियों द्वारा अनुचित कार्रवाई के रूप में देखे जाने के खिलाफ कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए, इसे

अतिशयोक्ति और मुक्त व्यापार में व्यवधान के रूप में वर्णित किया गया है।

तथ्य और आँकड़े:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

अर्थव्यवस्था:

विषय: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, संवृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: वर्तमान जीडीपी अनुमान से जुड़ा मुद्दा

विवरण:

- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा जारी नवीनतम जीडीपी आंकड़ों ने उत्साह और भ्रम दोनों पैदा कर दिया है।
- जहां बाजार अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 8.4% सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का आनंद ले रहा है, वहीं अर्थशास्त्री आधिकारिक अनुमानों और उनके अनुमानों के बीच महत्वपूर्ण असमानताओं से हैरान हैं।

सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि के रुझान:

- एनएसओ का डेटा पहली और दूसरी तिमाही में क्रमशः 8.2% और 8.1% के साथ मजबूत जीडीपी विकास दर का सुझाव देता है।
- यह पहले के अनुमानों की तुलना में 40 से 50 आधार अंकों की वृद्धि दर्शाता है।
- पूरे साल की जीडीपी वृद्धि का पूर्वानुमान अब 7.6% है, जो पिछले अनुमान 7.3% से अधिक है।

विकास संशोधनों को प्रभावित करने वाले कारक:

- 2021-22 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर को बढ़ाकर 9.7% कर दिया गया है, जिससे 2022-23 की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर घटकर 7% हो गई है।

- ये संशोधन साल-दर-साल विकास दर को प्रभावित करते हैं, आधार प्रभाव पर विचार करने के महत्व पर प्रकाश डालते हैं।

क्षेत्रीय प्रदर्शन का विश्लेषण:

- तीसरी तिमाही में सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) वृद्धि धीमी होकर 6.5% रह गई, जिसका मुख्य कारण ग्रामीण कृषि क्षेत्र में संकुचन और अन्य क्षेत्रों में धीमी वृद्धि है।
- सकल घरेलू उत्पाद और जीवीए विकास दर के बीच असमानता को शुद्ध अप्रत्यक्ष करों में वृद्धि, विशेष रूप से कम सब्सिडी भुगतान के कारण समझाया गया है।
- जीवीए वृद्धि आर्थिक स्वास्थ्य का अधिक सटीक प्रतिबिंब प्रदान करती है, जो सुस्त निजी और सरकारी उपभोग व्यय का संकेत देती है।

चुनाव के निहितार्थ और व्यापक विश्लेषण का आह्वान:

- आम चुनावों की आसन्न घोषणा के साथ, एनएसओ डेटा राजनीतिक चर्चा का केंद्र बिंदु बन गया है।
- हालाँकि, हेडलाइन जीडीपी आंकड़ों से परे, कई सांख्यिकीय संकेतकों के आधार पर अर्थव्यवस्था के सूक्ष्म विश्लेषण की आवश्यकता है।

सारांश:

- नवीनतम एनएसओ डेटा से मजबूत जीडीपी वृद्धि का पता चलता है, जिससे बाजार में उत्साह बढ़ गया है। हालाँकि, आधिकारिक अनुमानों और तथ्यों के बीच असमानताएँ सवाल उठाती हैं। क्षेत्रीय विश्लेषण धीमी जीवीए वृद्धि को दर्शाता है, जो मुख्य आंकड़ों से परे व्यापक आर्थिक मूल्यांकन की आवश्यकता का संकेत देता है, खासकर चुनाव नजदीक आने के साथ।

महिला शहरी रोजगार गारंटी अधिनियम:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

सामाजिक मुद्दे:

विषय: महिला एवं महिला संगठन की भूमिका।

मुख्य परीक्षा: महिला शहरी रोजगार गारंटी अधिनियम की आवश्यकता।

विवरण:

- रोजगार में लैंगिक अंतर एक वैश्विक चिंता का विषय है और सतत विकास लक्ष्यों से जुड़ा हुआ है।
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ग्रामीण क्षेत्रों में सफल रहा है, लेकिन शहरी क्षेत्र अलग चुनौतियां पेश करते हैं।
- आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) शहरी महिलाओं के बीच कम रोजगार दर पर प्रकाश डालता है।

अधूरी मांग:

- शहरी महिलाओं को सामाजिक मानदंडों, सुरक्षा चिंताओं और परिवहन मुद्दों जैसी बाधाओं का सामना करना पड़ता है।
- पीएलएफएस ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में उच्च बेरोजगारी दर के साथ शहरी महिलाओं के बीच रोजगार की उच्च मांग को इंगित करता है।
- कई शहरी महिलाएं उच्च शिक्षा स्तर होने के बावजूद रोजगार की तलाश में हैं।

महिला शहरी रोजगार गारंटी अधिनियम (WUEGA) का प्रस्ताव:

- मौजूदा शहरी रोजगार कार्यक्रमों के आधार पर, WUEGA का लक्ष्य शहरी महिलाओं की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करना है।
- मुख्य विशेषताओं में महिला-केंद्रित प्रबंधन, कार्यस्थलों पर बच्चों की देखभाल की सुविधाएं और महिलाओं के लिए मुफ्त सार्वजनिक परिवहन शामिल हैं।

- प्रस्तावित कार्यों में वृक्षारोपण, नरकट की कटाई और अन्य स्थानीय रूप से प्रासंगिक परियोजनाएं शामिल हैं।
- महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए कॉलेज के छात्रों के लिए कल्याण बोर्डों और प्रशिक्षता में स्वचालित समावेशन जैसे प्रोत्साहन का सुझाव दिया गया है।

महिला नेतृत्व वाली पहल:

- कर्नाटक में महिलाओं के नेतृत्व वाले अपशिष्ट प्रबंधन जैसे उदाहरण महिलाओं के नेतृत्व वाली पहल की क्षमता को दर्शाते हैं।
- ऐसी पहल महिलाओं को सशक्त बनाती हैं और स्थानीय विकास में योगदान देती हैं।

कार्यान्वयन और लागत विश्लेषण:

- पीएलएफएस का अनुमान है कि कार्यबल से बड़ी संख्या में शहरी महिलाएं बाहर हैं।
- प्रस्तावित महिला शहरी रोजगार गारंटी अधिनियम (WUEGA) प्रारंभ में इस आबादी के लगभग 50% को लक्षित कर सकता है।
- अनुमानित लागत सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2% है, जिसमें वेतन और प्रशासनिक व्यय शामिल हैं।
- लागत प्रबंधन और प्रभावशीलता की निगरानी के लिए चरणबद्ध रोलआउट और आवधिक मूल्यांकन का सुझाव दिया गया है।

निष्कर्ष:

- महिला शहरी रोजगार गारंटी अधिनियम (WUEGA) शहरी महिलाओं की रोजगार चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक आशाजनक समाधान प्रदान करता है।
- यह व्यापक शहरी रोजगार कार्यक्रमों का मार्ग प्रशस्त कर सकता है और महिलाओं के लिए आय आश्वासन सुनिश्चित कर सकता है।

सारांश:

- महिला शहरी रोजगार गारंटी अधिनियम (WUEGA) के प्रस्ताव का उद्देश्य महिलाओं के बीच कम शहरी रोजगार दर से निपटना है। मुख्य विशेषताओं में महिला-केंद्रित प्रबंधन, शिशु देखभाल सुविधाएं और भागीदारी के लिए प्रोत्साहन शामिल हैं, जिनकी अनुमानित लागत सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2% है।

प्रीलिम्स तथ्य:

1. उन्नत लैंडिंग सिस्टम उड़ान में देरी को कम करते हैं, लेकिन इनकी लागत अधिक आती है:

प्रसंग:

- प्रतिकूल मौसम के कारण भारतीय हवाईअड्डों को महत्वपूर्ण व्यवधानों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण उड़ानों में बदलाव और रद्दीकरण हुआ।

मुद्दा:

- भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण हवाई नेविगेशन सेवाओं को बढ़ाने के लिए विभिन्न हवाई अड्डों पर आईएलएस श्रेणियों को अपग्रेड कर रहा है।
- हालाँकि, भारत में केवल छह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के पास सीएटी III बी लैंडिंग सुविधाएं हैं, जिससे कई हवाई अड्डे मौसम संबंधी व्यवधानों के प्रति संवेदनशील हैं।
- उन्नत आईएलएस सिस्टम स्थापित करने में पर्याप्त लागत आती है, जिसमें स्थापना और रखरखाव खर्च भी शामिल है, जो हवाई अड्डों और एयरलाइंस दोनों के लिए चुनौतियां पैदा करता है।
- बढ़ी हुई सुरक्षा और परिचालन दक्षता के लाभों के बावजूद, परिवर्तन के लिए सावधानीपूर्वक योजना और निवेश की आवश्यकता होती है।

महत्व:

- विश्वसनीय हवाई यात्रा सुनिश्चित करने और प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण होने वाले व्यवधानों को कम करने के लिए इन मुद्दों को संबोधित करना महत्वपूर्ण है।

2. प्रधानमंत्री आज तमिलनाडु में रिएक्टर के कोर लोडिंग के शुभारंभ के साक्षी बनेंगे:

प्रसंग:

- भारत के स्वदेशी 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) के लिए कोर लोडिंग की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भागीदारी देश के परमाणु ऊर्जा प्रयासों में एक महत्वपूर्ण क्षण है।

सम्बन्धित जानकारी:

- चेन्नई से लगभग 70 किमी दक्षिण में कलपक्कम में स्थित, भाविनी (BHAVINI) (भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड) द्वारा विकसित पीएफबीआर, भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है।
- कोर लोडिंग प्रक्रिया में रिएक्टर के भीतर बिजली उत्पादन के लिए आवश्यक नियंत्रण, कंबल और ईंधन उप-असेंबली को एकीकृत करना शामिल है।
- पीएफबीआर, जो भारत की तीन चरण वाली परमाणु ऊर्जा पहल का दूसरा चरण है, एक बंद ईंधन चक्र की स्थापना करता है जहां प्रारंभिक चरण से खर्च किए गए ईंधन को पुनः संसाधित और पुनः उपयोग किया जाता है, जिससे स्थिरता सुनिश्चित होती है।
- सोडियम-कूल्ड पीएफबीआर की एक असाधारण विशेषता इसकी खपत से अधिक ईंधन उत्पन्न करने की क्षमता में निहित है, जो भविष्य के तेज़ रिएक्टरों के लिए ईंधन आपूर्ति में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देती है।

महत्व:

- न्यूनतम परमाणु अपशिष्ट उत्पादन और उन्नत सुरक्षा उपायों के साथ, पीएफबीआर एक सुरक्षित, कुशल और पर्यावरण-अनुकूल ऊर्जा स्रोत प्रदान करने का वादा करता है, जो भारत के शुद्ध-शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

3. ओडिशा की प्रसिद्ध रूपा ताराकासी, बांग्लार मलमल ने जीआई टैग अर्जित किया:

प्रसंग:

- प्रतिष्ठित कटक रूपा ताराकासी, जो अपनी उत्कृष्ट चांदी की फिलाग्री शिल्प कौशल के लिए प्रसिद्ध है, ने चेन्नई में भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री से भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग अर्जित किया है।

सम्बन्धित जानकारी:

- ओडिशा से उत्पन्न, यह कला रूप बेहतरीन आभूषण डिजाइन और सूक्ष्म शिल्प कौशल का प्रतीक है। ऐतिहासिक साक्ष्य से पता चलता है कि इसकी जड़ें 3,500 ईसा पूर्व के आसपास मेसोपोटामिया तक फैली हुई थीं, जिसमें इंडोनेशिया के माध्यम से समुद्री व्यापार मार्गों के माध्यम से फारस का प्रभाव था।
- तारकासी के साथ-साथ, जीआई मान्यता प्राप्त करने वाले अन्य उल्लेखनीय भारतीय उत्पादों में बांग्लार मलमल, नरसापुर क्रोकेट लेस और कच्छ रोगन शिल्प शामिल हैं। मध्य प्रदेश के रतलाम रियावन लहसुन (लहसुन) और अम्बाजी व्हाइट मार्बल को भी इससे सम्मानित किया गया है।

महत्व:

- असम के माजुली मास्क और त्रिपुरा रीसा टेक्सटाइल जैसे सांस्कृतिक खजाने सम्मानित सूची में शामिल हो गए हैं, जो भारत की समृद्ध विरासत और शिल्प कौशल विविधता को उजागर करते हैं।
- ये सम्मान न केवल अद्वितीय सांस्कृतिक महत्व को स्वीकार करते हैं बल्कि देश भर में आर्थिक विकास और पारंपरिक कला रूपों के संरक्षण को भी बढ़ावा देते हैं।

4. अनुनाद: कदम मिलाकर चलने की प्रवृत्ति

प्रसंग:

- अनुनाद, एक ऐसी घटना जहां सिस्टम अपनी प्राकृतिक आवृत्ति पर ऊंचे आयाम के साथ दोलन करता है, प्रकृति और प्रौद्योगिकी में अनुप्रयोग पाता है।

मुद्दा:

- चाहे बच्चे को झूले पर झुलाना हो या क्वार्ट्ज घड़ी की सटीकता, अनुनाद (resonance) आवृत्ति तुल्यकालन के महत्व को रेखांकित करता है।
- यह एक दोधारी तलवार है, जो संगीत वाद्ययंत्रों और एमआरआई स्कैनर जैसे संदर्भों में दक्षता प्रदान करती है, फिर भी वाहनों में संरचनात्मक खड़खड़ाहट जैसे अवांछनीय प्रभाव पैदा करती है।
- 1831 में इंग्लैंड के ब्रॉटन सस्पेंशन ब्रिज का ऐतिहासिक पतन अनुनाद के खतरे का उदाहरण है।
- एकजुट होकर मार्च कर रहे ब्रिटिश सैनिकों ने अनजाने में पुल की प्राकृतिक आवृत्ति का मिलान कर लिया, जिससे इसकी भयावह विफलता हुई।
- इस घटना ने एक सैन्य प्रोटोकॉल में बदलाव को प्रेरित किया, जहां सैनिक अब अनुनाद-प्रेरित आपदाओं को रोकने के लिए पुल पार करते समय कदम तोड़ते हैं।

महत्व:

- इसके जोखिमों को कम करते हुए इसके लाभों का दोहन करने के लिए अनुनाद (resonance) के सिद्धांतों को समझना महत्वपूर्ण है।
- संगीत के सामंजस्य से लेकर वैज्ञानिक उपकरणों की सटीकता तक, प्रतिध्वनि हमारी दुनिया को आकार देती है, जो प्राकृतिक और इंजीनियर दोनों प्रणालियों में आवृत्ति सामंजस्य के महत्व पर जोर देती है।

5. साँप के जीन के अध्ययन से पता चलता है कि वे अन्य सरीसृपों की तुलना में 3 गुना तेजी से विकसित

हुए:

प्रसंग:

- डेविड ब्रिन की 'अपलिफ्ट यूनिवर्स' श्रृंखला, जो 1980 से दो दशक तक फैली हुई है, एक दिलचस्प अवधारणा को दर्शाती है जहां एक संरक्षक जाति प्रजातियों को जीवन के उच्च रूपों में ऊपर उठाती है।
- यह पृथ्वी के प्राचीन अतीत को प्रतिबिंबित करता है, जो विकासवादी नवाचार के विस्फोटों द्वारा चिह्नित हैं, जो प्रजातियों के बीच उल्लेखनीय विविधता को आकार देता है।

मुद्दा:

- इन विकासवादी छलांगों का रहस्य लंबे समय से जीवविज्ञानियों को आकर्षित करता रहा है। जबकि डार्विनियन सिद्धांत प्राकृतिक चयन के माध्यम से क्रमिक परिवर्तनों पर जोर देता है, जीवाश्म रिकॉर्ड से जटिलता के छिटपुट विस्फोट का पता चलता है, जिससे नई प्रजातियों का उदय हुआ और अन्य प्रजातियां विलुप्त हो गईं।
- एक उल्लेखनीय विकासवादी घटना डायनासोर युग के दौरान घटी, जब छिपकलियां सांपों में बदल गईं, और अत्यधिक अनुकूलनीय शिकारियों में विकसित हुईं।
- हाल के आनुवंशिक अध्ययनों से पता चला है कि डायनासोर के विलुप्त होने के बाद सांप छिपकलियों की तुलना में तीन गुना तेजी से विकसित हुए हैं।

महत्व:

- व्यापक शोध के बावजूद, सांपों की विकासवादी विलक्षणता के पीछे का कारण अस्पष्ट बना हुआ है, जिसे "सांपों की विलक्षणता" कहा जाता है।

- पृथ्वी के पारिस्थितिक भविष्य को समझने के लिए इस तरह के विकासवादी विस्फोटों को समझना महत्वपूर्ण है, जो वैज्ञानिकों को उनके रहस्यों को सुलझाने में गहराई से उतरने के लिए प्रेरित करता है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भवानी नदी एक अंतरराज्यीय भारतीय नदी है जो केरल और तमिलनाडु राज्यों से होकर बहती है।
2. यह पंजाब नदी की प्रमुख सहायक नदियों में से एक है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: c

प्रश्न 2. जीआई टैग प्राप्त जीराफूल और दुबराज चावल की किस्में निम्नलिखित में से किस राज्य से संबंधित हैं?

- (a) झारखंड
- (b) पश्चिम बंगाल
- (c) ओडिशा
- (d) छत्तीसगढ़

उत्तर: d

प्रश्न 3. एन चन्द्रशेखरन टास्कफोर्स का गठन निम्नलिखित में से किसका अध्ययन करने के लिए किया गया था?

- (a) भारत में जीआईजी श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा लाभ का विस्तार
- (b) व्यापक कृषि सुधार उपायों की सिफारिश करना
- (c) सेना में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का उपयोग और अनुप्रयोग
- (d) एनपीएस के तहत पेंशन के मुद्दे पर गौर करना

उत्तर: c

प्रश्न 4. पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ओपेक+, जिसमें ओपेक सदस्य और अन्य तेल उत्पादक देश शामिल हैं, का गठन वर्ष 2016 में वैश्विक कच्चे तेल बाजार पर अधिक नियंत्रण स्थापित करने के लिए किया गया था।
2. अल्जीरिया, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, कांगो गणराज्य, सऊदी अरब और संयुक्त राज्य अमेरिका ओपेक के सदस्य हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: c

प्रश्न 5. भारत में निम्नलिखित में से किस प्रकार के वनों में सागौन एक प्रमुख वृक्ष प्रजाति है?

- (a) उष्णकटिबंधीय नम पर्णपाती वन
- (b) उष्णकटिबंधीय वर्षा वन

- (c) उष्णकटिबंधीय कंटीली झाड़ियों वाला जंगल
(d) घास के मैदानों के साथ शीतोष्ण वन

उत्तर: a

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. "महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता सतत विकास के आवश्यक अंग हैं।" उपरोक्त कथन के आलोक में, भारत में सतत विकास के लिए महिला शहरी रोजगार गारंटी योजना की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए। (20 अंक, 250 शब्द) [जीएस-1, सामाजिक मुद्दे] ("Women empowerment and gender equality are essential parts of sustainable development." In the light of the above statement, explain the relevance of Women Urban Employment Guarantee Scheme for sustainable development in India. (20 marks, 250 words) [GS-2, Social Issues])

प्रश्न 2. भारत में राष्ट्रीय आय की गणना के सन्दर्भ में वर्ष 2015 के बाद किये गये परिवर्तनों को समझाइये तथा इसके मुख्य प्रभावों को भी बताइये। (20 अंक, 250 शब्द) [जीएस-3, अर्थव्यवस्था] (Explain the changes made after 2015 in the context of calculation of national income in India and also explain its main effects. (20 marks, 250 words) [GS-3, Economy])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर **BYJU'S** की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)